जब तक भव्य स्वागत की गारंटी नहीं मिलती, ब्रिटेन नहीं आऊंगा

ट्रंप ने ब्रिटिश पीएम टरीजा मे से कहा

वॉशिंगटन,(आरएनएस)। डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि जबतक ब्रिटेन में उनके जोरदार स्वागत की गारंटी नहीं दी जाती, तब तक वह यहां आधिकारिक दौरे पर नहीं आएंगे। खबरों के मुताबिक, ट्रंप ने ब्रिटेन की प्रधानमंत्री टरीजा मे से कहा है कि जबतक वह उनके बेहतर स्वागत का आश्वासन नहीं देती हैं, तब तक वह ब्रिटेन की यात्रा पर नहीं आएंगे। कहा जा रहा है कि ट्रंप ने टरीजा को निर्देश दिया है कि वह पहले गर्मजोशी से उनका स्वागत करने की तैयारी करें, इसके बाद ही वह अपने दौरे का कार्यक्रम तय करेंगे। द सन अखबार ने ट्रंप और टरीजा के बीच फोन पर हुई बातचीत की कथित प्रतिलिपि देखकर यह जानकारी दी है। ट्रंप ब्रिटेन के आधिकारिक दौरे पर आने वाले थे, लेकिन फिलहाल उनकी यह यात्रा टाल दी गई है। माना जा रहा है कि वह अब अगले साल ही यहां आएंगे। मीडिया में आ रही खबरों की मानें तो ट्रंप ने मे से कहा, टरीजा, पिछले कुछ समय से ब्रिटिश मीडिया में मुझे ज्यादा तवज्जो नहीं मिली है। वहां मुझे बहुत अच्छी कवरेज नहीं मिली है। ट्रंप की इस शिकायत का जवाब देते हुए ब्रिटिश क्रू ने कहा, आप तो जानते ही हैं कि ब्रिटिश प्रेस किस तरह की है। टरीजा की इस बात पर प्रतिक्रिया करते हुए ट्रंप ने जवाब दिया, इस सबके बावजूद मैं वहां आना चाहता हूं, लेकिन मुझे इसकी कोई जल्दी नहीं है। अगर तुम वहां मेरे लिए स्थितियां ठीक कर सको, तो चीजें काफी आसान हो जाएंगी। ट्रंप ने आगे कहा, जब मुझे लगेगा कि वहां पर मेरा अच्छे तरीके से स्वागत किया जाएगा, तब ही मैं वहां आऊंगा। इससे पहले मैं वहां नहीं आऊंगा। मीडिया में आ रही इन खबरों पर प्रधानमंत्री कार्यालय डाउनिंग स्ट्रीट की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं की गई है। मालूम हो कि टरीजा मे ट्रंप को आधिकारिक स्टेट दौरे के लिए आमंत्रित करने वाली थीं, लेकिन ब्रिटेन में 18 लाख से ज्यादा लोगों ने इसके खिलाफ एक याचिका पर दस्तखत कर किए। इस याचिका के मुताबिक, अमेरिकी सरकार के प्रमुख के तौर पर डॉनल्ड ट्रंप को ब्रिटेन में प्रवेश की अनुमति दी जानी चाहिए, लेकिन उन्हें ब्रिटेन की ओर से आधिकारिक दौरे पर आने का आमंत्रण नहीं भेजा जाना चाहिए। इससे ब्रिटेन की रानी के लिए शर्मिंदगी पैदा हो सकती है।

पनामा पेपर्स केस में शुरू हो गया है नवाज के भाग्य का फैसला

इस्लामाबाद,(आरएनएस)। पनामा पेपर्स लीक पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनके परिवार को लेकर जो विवाद खड़ा हुआ, वह सोमवार को अपने निर्णायक चरण में पहुंच रहा है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में अब अंतिम फैसला सुनाएगा। इसके मद्देनजर सरकार और विपक्षी दल, दोनों ही अपनी-अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं। पंजाब के कानून मंत्री राना सनाउल्लाह के मुताबिक, वकीलों की जो टीम अदालत में शरीफ परिवार का बचाव करेगी उनमें ख्वाजा हारिस, अकरम शेख, सलमान अकरम रजा और बैरिस्टर जफरुल्लाह शामिल हैं। सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज अपने पास बचे कानूनी विकल्पों पर विचार कर रही है। वहीं इसकी धुर-विरोधी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख इमरान खान ने कहा है कि अदालत के फैसले में अगर नवाज को सजा मिलती है तो उनकी पार्टी इसका जश्न मनाएगी। दूसरी तरफ, नवाज ने रविवार का पूरा दिन अपनी कानून व राजनैतिक टीमों के साथ बातचीत करने में गुजारा। नवाज और उनका परिवार फिलहाल इस बात पर विचार कर रहा है कि संयुक्त जांच टीम की रिपोर्ट पर क्या आपत्तियां दायर की जा सकती हैं। नवाज एक ओर तो कानूनी विकल्पों को तलाशने में जुटे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ वह विपक्षी दलों के विरोध का सामना करने की रणनीति भी तैयार कर रहे हैं। मालूम हो कि पनामा पेपर्स लीक मामले में शरीफ परिवार पर बेनामी संपत्तियां जुटाने व अन्य वित्तीय गड़बड़ियां करने का आरोप है। छ्हृश्च ने अपनी रिपोर्ट में शरीफ परिवार पर झूठी गवाही देने, जाली दस्तावेज बनाकर अपनी संपत्ति के बारे में गलत जानकारी देने और क्षमता से कहीं ज्यादा दौलत जमा करने जैसे कई आरोप लगाए हैं। नवाज ने इस रिपोर्ट को गलत बताते हुए कानून लड़ाई लड़ने का संकल्प जताया था। राना सनाउल्लाह ने बताया कि शरीफ परिवार सोमवार को छ्हृश्च रिपोर्ट के खिलाफ अपनी आपत्तियां अदालत के सामने रखेगा। वाणिज्य मंत्री खुर्रम दस्तगिर ने बताया कि सरकार सुप्रीम कोर्ट से संविधान के अनुच्छेद 10-ए को इस्तेमाल कर न्याय सुनिश्चित करने की अपील करेगी।

बीमा कंपनियों के एजेंट जमा कराएं अपना आधार नंबर: इरडा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। बीमा नियामक इरडा ने बीमा कंपनियों से अपने एजेंटों का आधार नंबर जमा कराने को कहा है। इसका मकसद ऑनलाइन डाटाबेस बनाना है ताकि दोहराव को खत्म किया जा सके। इस डाटाबेस का जिम्मा इंश्योरेंस इंफॉर्मेशन ब्यूरो ऑफ इंडिया (आइआइबी) के पास होगा। इरडा ने कहा कि आइआइबी को पॉइंट ऑफ सेल्स (पीओएस) की तर्ज पर आधार संख्या और बीमा एजेंटों के अन्य विवरण को अपलोड करने के लिए पोर्टल विकसित करने के लिए कहा गया है। यह पोर्टल बीमा मध्यस्थों के लिए भी उपलब्ध होगा। बीमा मध्यस्थों को भी प्रशिक्षित और पात्र व्यक्तियों के आधार नंबर और अन्य विवरण जुटाने के लिए कहा गया है। नियामक ने कहा कि पीओएस गाइडलाइंस जारी करने के साथ ही डाटाबेस तैयार करने का काम शुरू हो गया था।

बेटे की चाह में दो साल के मासूम की बलि

बस ड्राइवर दो पत्नियों समेत गिरफ्तार

इंदौर,(आरएनएस)। बेटे के जन्म की चाह में दो साल के मासूम बच्चे की बलि चढ़ाकर क्रूर तरीके से हत्या के आरोप में पुलिस ने अंधविश्वासी स्कूल बस ड्राइवर और उसकी दो पत्नियों को आज गिरफ्तार किया। पुलिस उप महानिरीक्षक डीआईजी हरिनारायणचारी मिश्रा ने संवाददाताओं को बताया कि दिल दहला देने वाले मामले में एक निजी स्कूल की बस चलाने वाले दिलीप बागरी 36 और उसकी दोनों पत्नियों-संतोष बाई 28 और पुष्पा 30 को गिरफ्तार किया गया है। तीनों आरोपी जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर गढ़ी बिगौदा गांव के रहने वाले हैं। मिश्रा ने बताया कि बागरी ने सज्जन बाई नाम की अन्य महिला से भी शादी की थी। प्रसूति के वक्त सज्जन बाई की 12 साल पहले मौत हो गयी थी। स्कूल बस ड्राइवर को इस महिला से दो बेटियां थीं। लेकिन बेटे की अंधी चाह में उसने और दो शादियां कीं। हालांकि, उसे दोनों पत्नियों से संतान नहीं हो पा रही थी। उन्होंने बताया कि आरोप है कि बागरी और उसकी दोनों बीवियों-संतोष बाई और पुष्पा ने एक तांत्रिक की सलाह पर गढ़ी बिगौदा गांव के अपने पड़ोसी के दो वर्षीय बालक यश को नौ जून को अगवा किया और उसे अपने घर में छिपा दिया।डीआईजी ने आरोपियों से पूछताछ के हवाले से बताया कि तंत्र क्रिया नाम पर नौ जून की देर रात बागरी और उसकी दोनों बीवियों ने कागजों में लगायी जाने वाली नुकीली पिनें मासूम बच्चे के अलग-अलग अंगों पर बेरहमी से चुभोनी शुरू कीं। दर्द से परेशान बच्चा जब बुरी तरह रोने लगा तो कपड़े से उसका मुंह दबा दिया गया, ताकि उसकी चीखें घर से बाहर न जा सकें। दम घुटने से बच्चे की जल्द ही मौत हो गयी। लेकिन उसके शरीर के साथ करीब तीन घंटे तक अमानवीय बर्ताव किया गया। मिश्रा ने कहा, बच्चे के शव की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में इस क्रूर तरीके से उसकी हत्या की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। उस तांत्रिक की भी तलाश जारी है, जिसकी सलाह पर मासूम बच्चे का साजिश के तहत अपहरण और हत्या की गयी है।

साकार हो सकता है इंडिया का महाशक्ति बनने का सपना

चीनी मीडिया ने माना

पेइचिंग,(आरएनएस)। पिछले कुछ समय से चीन का सरकारी मीडिया मोदी सरकार द्वारा लागू किए गए गुड्स ऐंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) की काफी तारीफ कर रहा है। अब ग्लोबल टाइम्स ने अपने एक लेख में भारत द्वारा किए गए टैक्स सुधार की प्रशंसा करते हुए लिखा है कि बड़ी मात्रा में हो रहे विदेशी निवेश के कारण वैश्विक महाशक्ति बनने के भारत के सपने को काफी बल मिलेगा। चीनी मीडिया का कहना है कि विदेशी निर्माता बढ़-चढ़कर भारत में निवेश कर रहे हैं और भारत द्वारा किए जा रहे सुधारों व प्रयासों के कारण निवेशकों को यहां अपना भविष्य सुरक्षित दिख रहा है। अखबार ने अपनी सरकार को सलाह दी है कि वह भारत के विकास और तरक्की को देखकर शांत रहे। साथ ही, भारत की ओर से दी जा रही प्रतिस्पर्धा से निपटने के लिए चीन को विकास की ज्यादा प्रभावी रणनीति तैयार करने की भी सलाह दी गई है। इस लेख में यह भी कहा गया है कि भारत में आज जैसा आर्थिक विकास हो रहा है, वह करीब दो दशक पहले चीन में हो रहा था। अखबार का कहना है कि विदेशी निवेश के इस मॉडल पर चलकर चीन को कामयाबी मिली थी और अब चूंकि भारत भी इसी राह पर आगे बढ़ रहा है, इसीलिए उसकी सफलता भी करीब-करीब पक्की लग रही है। अखबार ने लिखा है कि जीएसटी सुधारों और इससे होने वाले आर्थिक फायदों को लेकर भले ही संशय की स्थिति दिख रही हो, लेकिन विदेशी कंपनियां भारत के अपने भविष्य को लेकर आश्वस्त नजर आ रही हैं। इसमें आगे कहा गया है, तस्ब के अंतर्गत भारत ने आयात किए जाने वाले विदेशी स्मार्टफोन्स और कुछ अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर 10 फीसदी ड्यूटी लगाई है। इसके कारण अंतरराष्ट्रीय फोन निर्माता भारत में प्लांट्स लगाने की योजना पर तेजी से काम कर रहे हैं।ग्लोबल टाइम्स ने मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से लिखा है कि ताइवान की कंपनी फॉक्सकॉन भारत में अपने कारखाने शुरू करने के लिए लगभग 32 खरब रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। जून में सैमसंग ने घोषणा की थी कि वह भारत में अपने उत्पादन की क्षमता को बढ़ाने के लिए करीब 40 अरब रुपये का निवेश करेगा। इसके बाद सैमसंग के स्मार्टफोन्स उत्पादन की मासिक संख्या बढ़कर 10 लाख होने का अनुमान है। साथ ही, 2018 तक सैमसंग यहां हर महीने करीब 2 लाख रिफ्रिजरेटर्स का भी उत्पादन करने लगेगा। इस लेख में आगे कहा गया है कि चीन की मोबाइल कंपनियां भी भारत में जमकर निवेश कर रही हैं। ओप्पो, वीवो, लेनोवो, शाओमी ने भी भारत में अपने प्लांट्स शुरू किए हैं और इसकी वजह से भारत में स्मार्टफोन उत्पादन के बाजार में प्रतिस्पर्धा काफी बढ़ गई है। आर्टिकल में आगे लिखा गया है कि न केवल स्मार्टफोन इंडस्ट्री, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ऑटो इंडस्ट्री की नजरें भी भारत पर टिकी हैं। ग्लोबल टाइम्स ने भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में सकारात्मक टिप्पणी करते हुए माना है कि इतने बड़े स्तर पर हो रहा विदेशी निवेश न केवल भारत की आर्थिक क्षमता के लिए, बल्कि रोजगार और औद्योगिक विकास के लिए भी काफी मददगार साबित होगा। साथ ही, विदेशी निवेश के कारण भारत में उत्पादन भी काफी बढ़ रहा है। इसमें भारत के मेक इन इंडिया अभियान की भी तारीफ की गई है। इसमें भारत को कुछ सुझाव भी दिए गए हैं। पहला सुझाव तो यह कि भारत अपने बाजार को विदेशी कंपनियों के लिए खोले और विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए मुफीद माहौल उपलब्ध कराए। साथ ही, भारत को अपने श्रम संसाधन को और बढ़ाने पर ध्यान देने की भी सलाह दी गई है।

विज्ञान समाचार Science News

100 करोड़ हाथियों के बराबर है प्लास्टिक कचरा!

अमरीकी वैज्ञानिकों ने अब तक बनाए गए प्लास्टिक की कुल मात्रा 8.3 अरब टन बताई है। यह ऐसा मटीरियल है जो बीते 65 सालों में बड़ी तेजी से बनाया गया। यह आंकड़ा करीब 100 करोड़ हाथियों के वजन के बराबर है। गौर करने वाली बात ये है कि प्लास्टिक का कचरे के तौर पर फेंकने से पहले उसका इस्तेमाल बेहद कम समय के लिए ही किया जाता है। कुल प्लास्टिक उत्पादन का 70 फीसदी से ज्यादा कचरे के रूप में है, जो अधिकतर ज़मीनों में भरा जा रहा है या नालों में बहाया जा रहा है, इससे वातावरण को भी बहुत नुकसान हो रहा है।

ये कीड़ा खा सकता है प्लास्टिक कचरा

डॉक्टर रोलैंड गेयर ने बीबीसी न्यूज़ को बताया, हम बहुत तेज़ी से प्लास्टिक प्लानेट बनने की ओर अग्रसर हैं, क्या? हम उस तरह की दुनिया में रहना चाहते हैं, नहीं तो हमें चीज़ों के इस्तेमाल को लेकर सोचना होगा, खासकर प्लास्टिक के बारे में। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के इकोलॉजिस्ट सैंटा बारबरा और उनके साथियों ने इस संबंध में एक पेपर लिखा है, इसमें उन्होंने अब तक बने कुल प्लास्टिक और उसके इस्तेमाल के साथ ही उसके प्रभावों का भी अध्ययन किया है।

दुनिया में पहली बार ट्रांसप्लांट से बच्चे को लगाए गए दोनों नए हाथ

2 साल की उम्र में सेप्सिस के कारण जियॉन के दोनों हाथ काटने पड़े थे

वॉशिंगटन: बॉल्टीमॉर में रहने वाले 10 साल के जियॉन हार्वे ने चिकित्सा इतिहास में अपनी जगह पक्की कर ली है। जियॉन दुनिया का पहला इंसान है, जिसके दोनों हाथों का सफलतापूर्वक ट्रांसप्लांट किया गया। मानव अंगों के ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में यह बहुत बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। जुलाई 2015 में 8 साल के जियॉन का ट्रांसप्लांट किया गया था। इस बात को अब 2 साल हो चुके हैंऔर जियॉन के दोनों हाथों बिल्कुल स्वस्थ हैं। जियॉन के इस ट्रांसप्लांट के नतीजे बुधवार को ब्रिटेन के मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हुए। इस ऑपरेशन में शामिल डॉक्टरों ने इस ट्रांसप्लांट को सफल बताया है। उनका कहना है कि इस तरह के बाकी बच्चों को भी इस तकनीक से मदद मिलेगी। द गार्डियन अखबार ने अपनी एक खबर में जियॉन के मेडिकल केस की जानकारी दी है। जियॉन को हमेशा से खेलों में काफी दिलचस्पी थी। अपने दोनों नए हाथों की मदद से वह खेलने का अपना शौक पूरा कर पा रहा है। एक समय ऐसा भी था जब जियॉन को अपने सारे कामों के लिए दूसरों पर आश्रित रहना पड़ता था। जियॉन जब 2 साल का थाए तब घाव की सड़न बढ़ने के कारण उसे सेप्सिस हुआ और उसके दोनों हाथ.पैर काटने पड़े थे। इसके बाद 6 साल तक जियॉन को कृत्रिम हाथ-पैरों का इस्तेमाल करना पड़ा। इन कृत्रिम अंगों के कारण वह छोटे-छोटे काम तो खुद कर पा रहा था लेकिन चीजें इतनी सामान्य नहीं थीं। ऐसा लग रहा था कि जियॉन को हमेशा इसी तरह रहना होगाए लेकिन फिर इस ट्रांसप्लांट ने उसकी जिंदगी बदल दी। फिलडेल्फिया के चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल की टीम ने द लांसिट चाइल्ड ऐंड ऐडलेसंट हेल्थ में लिखा है, ट्रांसप्लांट के 18 महीने बाद तक जियॉन उन अंगों का इस्तेमाल करना सीख चुका था। अब वह लिखनाए खाना खानाए शौच जाना और खुद कपड़े पहनना भी सीख गया है। वह ये सारे काम बहुत अच्छी तरह कर लेता है। कई बार अंगों को ट्रांसप्लांट करना काफी जोखिम भरा काम साबित हो सकता है। कई बार ऐसा होता है कि इंसान का शरीर ट्रांसप्लांट कर लगाए गए नए अंगों को स्वीकार नहीं कर पाता, उनके साथ सहज नहीं हो पाता। साथ ही, ट्रांसप्लांट के बाद जो दवाएं खानी पड़ती हैं उनसे भी स्वास्थ्य संबंधी गंभीर दिक्कतें हो सकती हैं। जियॉन के साथ इनमें से किसी तरह की दिक्कत नहीं आई। उसके इस सफल ट्रांसप्लांट के बाद बाकी लोगों के लिए भी उम्मीद की नई किरण जगी है। **किडनी, रोबॉट ने किया ट्रांसप्लांट:** दुनिया में अबतक 100 लोगों के हाथ या फिर बांह का ट्रांसप्लांट किया जा चुका है। 1998 में पहली बार एक वयस्क को ट्रांसप्लांट की सहायता से नया हाथ लगाया गया था। फिर साल 2000 में एक शख्स के दोनों हाथों को ट्रांसप्लांट की मदद से बदला गया। दुनिया के कई देश सावधानी से चुने गए मरीजों पर ट्रांसप्लांट के ऐसे प्रयोग करते हैं। इस क्षेत्र में नई-नई तकनीकें आ रही हैं और नतीजों के बेहतर होने की उम्मीदें बढ़ रही हैं।

इनकम टैक्स भरने की आखिरी तारीख नजदीक

नई दिल्ली,(आरएनएस)। फाइनेंशल ईयर 2017-18 (असेसमेंट इयर 2016-19) के लिए इनकम टैक्स रिटर्न भरने की आखिरी तारीख यानी 31 जुलाई बेहद करीब आ चुकी है। इस बार भी रिटर्न भरने से जुड़े नियमों में कुछ बदलाव हुए हैं। अगर आप भी आईटीआर फाइल करने जा रहे हैं तो इससे जुड़ी खास बातों पर ध्यान रखना चाहिए। 1 - 500 और 1000 के पुराने नोट बंद करने के फैसले के बाद 11 नवंबर 2016 से लेकर 30 दिसंबर 2016 तक यदि आपने अपने बैंक खाते में दो लाख या उससे ज्यादा की रकम जमा कराई है तो इसकी सूचना इनकम टैक्स विभाग को देनी होगी। 2- इतना ही नहीं अगर आपके एक से ज्यादा खाते हैं और आपने सभी खातों में मिलाकर दो लाख या उससे अधिक की राशि जमा कराई है तो भी आपको इसकी जानकारी आयकर विभाग को देनी होगी। 3- यदि आपकी सालाना आय ढाई लाख से कम है तो आप टैक्स के दायरे में नहीं आएंगे लेकिन ढाई से पांच लाख की आय वालों को 5 फीसदी टैक्स देना होगा। वहीं पांच से 10 लाख तक आय वालों को 20 फीसदी और 10 लाख से ज्यादा आय वालों को 30 फीसदी तक का टैक्स देना होगा। 4- 31 जुलाई 2017 से पहले पांच लाख से अधिक आय वाले लोगों को आईटीआर की ई फाइलिंग करनी होगी। जिन लोगों ने रिफंड क्लेम किया है उन्हें भी तय तारीख तक आईटीआर की ई फाइलिंग करनी होगी। 5- अब 80 साल या उससे अधिक उम्र वाले लोगों को आईटीआर फॉर्म-1 और आईटीआर-2 के जरिए रिटर्न फाइल कर सकते हैं।

एक देशी कट्टा के साथ पांच माओवादी गिरफ्तार

औरंगाबाद,(आरएनएस)। बिहार के औरंगाबाद जिला के देव थानांतर्गत भंडारी गांव में स्थानीय पुलिस और सीआरपीएफ की टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के पांच सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। औरंगाबाद अनुमंडल पुलिस अधिकारी पी एन साहू ने बताया कि गिरफ्तार माओवादियों में अरूणजय यादव उर्फ मृत्युंजय यादव, हरिहर यादव, प्रदीप विक्रमा, नंदू यादव और सुदामा यादव शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अरूणजय यादव पडोसी राज्य झारखंड के पलामु जिला के हरिहरगंज थाना अंतर्गत लंगुराही गांव के निवासी हैं। साहू ने बताया कि हरिहर यादव और प्रदीप विक्रमा पलामु जिला के हुसैनाबाद थाना अंतर्गत सांड गांव के निवासी हैंउन्होंने बताया कि नंदू यादव और सुदामा यादव औरंगाबाद जिला के ढिबरा थाना अंतर्गत मुरारपुर गांव के निवासी हैं। साहू ने बताया कि इन नक्सलियों के पास से एक देशी कट्टा, दो कारतूस, एक मोटरसाइकिल, 20 हजार रूपये नकद राशि, 5 मोबाइल फोन तथा भारी मात्रा में खाद्य सामग्री बरामद की गयी है। उन्होंने बताया कि भंडारी गांव में इकठ्ठा हुए इन माओवादियों की मोबाइल फोन टावर को ध्वस्त करने की योजना थी।

बराक पुल ध्वस्त, मणिपुर का यातायात संपर्क कटा

इंफाल,(आरएनएस)। इंफाल का महत्वपूर्ण बराक पुल आज सुबह ध्वस्त हो गया जिसकी वजह से मणिपुर का संपर्क देश के शेष हिस्सों से कट गया है। परिवहन विभा÷ के एक अधिकारी ने बताया कि यह पुल उस समय ध्वस्त हुआ, जब माल से लदा दस पहियों वाला एक वाहन पुल के ऊपर से गुजर रहा था। उन्होंने बताया कि पुल रविवार रात से ही नाजुक स्थिति में था। अधिकारी ने बताया कि पुल टूटने के बाद जिरिबाम से इंफाल जाने वाले माल लदे करीब 200 ट्रक फंस गये हैं। टूटे हुये पुल की मरम्मत का काम युद्ध स्तर पर जारी है। उल्लेखनीय है कि बराक पुल इंफाल-जिरिबाम राजमार्ग पर स्थित है और पहाड़ी जिले तमेंगलांग से गुजरता है। पड़ोसी राज्य नागालैंड के विस्वेमा में भीषण भूस्खलन के बाद इंफाल-दीमापुर राष्ट्रीय राजमार्ग से संपर्क कट जाने की वजह से बराक पुल को सीमावर्ती राज्य मणिपुर की दूसरी जीवन रेखा माना जाता है।

विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों के नाम रोपे पेड़

द हेग,(आरएनएस)। यूक्रेन में चल रहे युद्ध के दौरान फ्लाइट एमएच17 में किये गए मिसाइल हमले के तीन साल पूरे हो चुके हैं। हमले में करीब 298 लोग मारे गए थे। मारे लोगों के लगभग 2,000 रिश्तेदारों ने इस अवसर पर इकट्ठे होकर उनकी याद में बनाए गए स्मारकों का अनावरण किया साथ ही उनकी याद में कुल 298 पेड़ लगाए जिन्हें 'उम्मीद' और 'भविष्य' का प्रतीक कहा गया। जानकारी के मुताबिक, 17 जुलाई 2014 को मलेशियन एयरलाइन एमएच17 एम्सटर्डम से क्वालालंपुर जा रही थी जब ये हमला हुआ। डच किंग विलियम-अलेक्जेंडर और रानी मैक्सिमा ने भी एक विशेष समारोह में सरकारी और अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों के साथ मिलकर एम्सटर्डम के शिफोल हवाई अड्डे के पास विजफुइजेन पार्क में स्मारकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। एक परिवार ने कहा, इस आयोजन का मतलब पीड़ितों को केवल सम्मान देना नहीं है बल्कि हम एक ऐसे जगह की स्थापना करना चाहते हैं जहां 298 यात्रियों की यादों को सहेज कर रखा जा सके। त्रासदी की तीसरी वर्षगांठ पूरे होने पर भी अब तक किसी भी दोषी को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है हालांकि इस महीने नीदरलैंड में जांच की जाने की घोषणा की गई थी। इससे पहले डच की अगुवाई वाली जांचकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला था कि हमले में उपयोग किये गए मिसाइलों को रूस से रूसी विद्रोहियों द्वारा लाया गया था। फाउंडेशन ने कहा, प्रत्येक पीड़ित के नाम एक पेड़ लगाया जा रहा है। इसके अलावा जंगल के बीचोंबीच आंख के आकार में 11 अलग अलग पेड़ लगाए गए जो आकाश की तरफदेखता प्रतीत हो रहा है, जहां आंखों के पुतलियों में उन सभी पीड़ितों के नाम लिखे गए हैं। इसके साथ ही 16 वर्षीय गैरी के नाम एक सेब के पेड़ लगाया गया जिसकी बॉडी का अब तक कोई पता नहीं चल सका है। गैरी के पिता ने कहा, हम गैरी को भूलना नहीं चाहते हैं और इस पेड़ के रुप में वो हमेशा हम सबके साथ रहेंगे। इन पेड़ों को देखकर हम अपने प्रियजनों को याद कर पायेंगे।